Third Year Examination of the
Three Year Degree Course, 2001

(Faculty of Commerce)

BANKING AND BUSINESS ECONOMICS

18(a) : Financial Markets

Time : 3 Hours
[Maximum Marks :100]

प्रत्येक इकाई में से **एक** प्रश्न का चुनते हुए
कुल **पाँच** प्रश्न करने है।
सभी प्रश्नो के अंक समान है।

इकाई–1

1. भारत में वित्तीय बाजारों के विकास, कार्यो एवं महत्व की विवेचना कीजिए। **20**
2. मुद्रा बाजार और पूँजी बाजार में अन्तर कीजिए। भारतीय मुद्रा बाजार की क्या विशेषताएँ है? **20**

इकाई–2

3. गैर–बैंकिंग वित्तीय संस्थाओं (NBFI) का देश की आर्थिक क्रियाओं मे क्या योगदान है? विवेचना कीजिए। क्या उन पर नियंत्रण की कोई आवश्यकता है? **20**
4. भारतीय जीवन बीमा निगम का औद्योगिक वित्त की पूर्ति में क्या योगदान है? विवेचना कीजिए। पूंजी बाजार में उसे एक प्रभावपूर्ण संस्था बनाये जाने के लिये सुझाव दीजिये। **20**

इकाई–3

5. नवीन निर्गमन बाजार के क्या कार्य होते है विवेचना कीजिए। पिछले दस वर्षो में भारत के नवीन निर्गमन पूंजी बाजार की प्रवतियो का विवरण दीजिए। **20**
6. एक देश के आर्थिक विकास में 'स्कन्ध बाजार' का क्या महत्व होता है? भारतीय स्कन्ध बाजार में क्या दोष पाये जाते है? **20**

इकाई–4

7. मर्चेन्ट बैंकिंग क्या है? भारत में मर्चेन्ट–बैंकिंग लोकप्रिय क्यों हो रहा है? **20**
8. प्रतिभूतियों के अभिगोपन का क्या महत्व होता है? भारत में अभिगोपन कार्य की प्रगति धीमी क्यों है? **20**

इकाई–5

9. पूंजी बाजार की प्रभावशीलता से आप क्या समझते है? पूंजी बाजार की प्रभावशीलता के विभिन्न रूपों का वर्णन कीजिए। **20**
10. प्राकल्पनाओं की पूंजी बाजार की समस्याओं का विश्लेषण करने में क्या सीमाएं है? इनके निर्माण हेतु आप कौनसी सावधानियां ध्यान में रखेंगें। **20**

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com